यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम से गांवों में रचनात्मकता बढ़ेगी, समस्या को सुलझाने का होगा प्रयास

आइआइएम ने यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम को रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में लांच किया

जासं, रांची : आइआइएम रांची परिवर्तन को बढ़ावा देने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में विश्वास रखता है। इस दिशा में आइआइएम रांची के छात्र सक्रिय रूप से ग्रामीण विकास पहलों में संलग्न हैं। वर्तमान में उनके सामाजिक प्रभाव इंटर्नशिप प्रोजेक्ट (एसआइआइपी) के हिस्से के रूप में वे उन्नत-भारत अभियान मिशन के तहत आइआइएम रांची द्वारा गोद लिए गए गांवों में विकास को चलाने के लिए काम कर रहे हैं। जिले के रासाबेड़ा आदिवासी गांव में अभियान के तहत हमारे छात्र कार्य करेंगे। जिले के सभी स्कूलों में जाकर सीनियर बच्चों को भी जोड़ने की पहल की जा रही है। अब तक 4000 बच्चों ने रजिस्ट्रेशन कराया है और कुल 20 हजार बच्चों को इस अभियान से जोड़ने का लक्ष्य है। आइआइएम रांची 2030 के तहत रणनीतिक योजना, अपनी तरह की अनूठी पहल यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम (वाइसीपी) को बढ़ावा दिया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत युवा नेताओं

प्रेसवार्ता को संबोधित करते आइआइएम रांची के निदेशक ● जागरण

की एक पीढ़ी को प्रेरित किया जाएगा, जो ठोस सामाजिक प्रभाव लाएगा और वैश्विक दृष्टिकोण और स्थानीय जवाबदेही के साथ संगठनों का नेतृत्व करेगा। उक्त बातें आइआइएम रांची के निदेशक दीपक श्रीवास्तव ने एक प्रेसवार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि वाइसीपी के तहत रूरल इमर्सन बूटकैंप लाइव केस लर्निंग माडल का नेतृत्व करने वाला एक नया तीन दिवसीय कार्यक्रम है, जो छात्रों को आदिवासी गांवों का पता लगाने, उनकी चुनौतियों को समझने और सहयोगी रूप से व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। प्रत्यक्ष प्रदर्शन

मुख्य बातें

- जिले के सभी स्कूलों में सीनियर बच्चों को भी किया जाएगा शामिल
- अब तक 4000 बच्चों ने कराया रजिस्ट्रेशन, 20 हजार का है लक्ष्य

का उद्देश्य प्रासंगिक समस्याओं की पहचान करने की क्षमता को प्रोत्साहित करना, सहानुभूति पैदा करना, उनकी रचनात्मकता और समस्या को सुलझाने की क्षमता को बढ़ाना, उन्हें अभिनव और प्रभावी समाधान विकसित करने में मदद करना और आदिवासी समुदायों की बेहतरी के लिए इसे क्रियान्वित करना है।

छात्रों को मिलेगा लाभ : इस कार्यक्रम से छात्रों को चेंजमेकर बनने, कार्रवाई करने और दुनिया में वास्तविक अंतर लाने के लिए सशक्त बनाया जाएगा। यह प्रतिभागियों को अपने स्वयं के अनुभवों से परे सोचने की चुनौती देगा। उन्हें आलोचनात्मक और करुणापूर्वक दूसरों की आवश्यकताओं का मूल्यांकन करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बूटकैंप का पहला दिन एक ओरिएंटेशन डे होगा जहां छात्रों को सामाजिक कार्य और सामुदायिक सेवा की अवधारणा से परिचित कराया जाएगा। वे ग्रामीण समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों, नीतियों और सामाजिक मुद्दों को हल करने के प्रयासों, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों और सकारात्मक प्रभाव बनाने में कैसे योगदान दे सकते हैं, के बारे में भी जानेंगे। छात्रों को सामाजिक उद्यमिता की अनिवार्यता के बारे में सीखने का अवसर भी मिलेगा। इस दौरान छात्र रासाबेड़ा आदिवासी गांव का दौरा करेंगे और ग्रामीणों के साथ समय बिताएंगे। छात्रों को अपने अनुभवों और कार्यक्रम के दौरान सीखी गई बातों पर विचार करने का भी मौका मिलेगा। कार्यक्रम के शीर्ष कलाकारों को कार्यक्रम पुरस्कार विजेता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

Dainik Jagran_14.05.2023